The Committee has been asked to submit its report by 31st December, 1977.

Introduction of helicopter service from Dibrugarh to Sadia

4455. SHRI K. B. CHETTRI: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government of Assam has constructed a Helipad at Sadia, in District Dibrugarh, Assam;

(b) whether the same has been utilised; and

(c) if not, whether the Central Government propose to introduce Helicopter service from Dibrugarh to Sadia?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK): (a) and (b). The information is being ascertained from the Government of Assam and will be laid on the Table of the Sabha.

(c) Indian Airlines have no helicopters in their fleet. No proposal has been received from any private operator for introduction of helicopter service between Dibrugarh and Sadia.

नये कपड़ा मिल खोलने का प्रस्ताव

4456. **श्री भागीरथ भंवर** : क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय वस्त्र निगम का विचार तीन नये कपड़ा मिल खोलने का है और यदि हां, तो ये मिलें किन क्षेत्र में खोली जायेंगी तथा उनकी क्षमता क्या होगी; और

(ख) क्या राष्ट्रीय वस्त्र निगम को वर्ष 1976–77 में 36 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है और यदि हां, तो घाटे को पूरा करने तथा उसे लाभ में लाने के लिए सरकार क्या प्रयास कर रही है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मन्त्री (श्री मोहन धारिया) : (क) 1976 के अन्त में यह निर्णय लिया गया था कि राष्ट्रीय वस्त्र निगम को तीन नई निर्यात अभिमुख वस्त्र मिलों की स्थापना करनी चाहिये । एक मिल सुल्तानपुर जिले (उत्तर प्रदेश) के जगदीशपुर में तथा दूसरी मिल तिरुपति (आन्ध्र प्रदेश) में स्थापित करने का प्रस्ताव था । तीसरी मिल के स्थान के बारे में निर्णय नहीं लिया गया । फिर राष्ट्रीय वस्त्र निगम को सम्भाव्यता परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिये कहा गया था । मामला समीक्षाधीन है ।

(ख) राष्ट्रीय वस्त्र निगम ने 1976–77 के दौरान लगभग 35.75 करोड़ रु० का निबल घाटा उठाया है । राष्ट्रीय वस्त्र निगम की मिलों द्वारा उठाये गये नकद घाटे के मुख्य अंश की ऋणों के रूप में प्रतिपूर्ति की गई है ताकि इन मिलों की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं में कमी न पड़े । इन मिलों के कार्यचालन में सुधार करने के लिये जो महत्वपूर्ण कदम उठाये गये, निम्नोक्त हैं :—

(1) मशीनों का आधुनिकीकरण / नवीकरण;

(2) वेशी श्रम को सुव्यवस्थित करना ;

(3) केन्द्रीकृत आधार पर कच्चे माल की विपुल प्राप्ति ;

(4) उत्पादन के तरीके में विविधीकरण; तथा

(5) विपणन नीति में परिवर्तन ।